मीरा के पद

मीराबाई

होरी खेलत हैं गिरधारी ।
मुरली चंग बजत डफ न्यारो, संग जुबती ब्रजनारी ।
चंदन केसर छिरकत मोहन, अपने हाथ बिहारी ।
भरि भरि मूठ गुलाल लाल चहुँ, देत सबन पै डारी ।
छैल छबीले नवल कान्ह संग, स्यामा प्राण पियारी ।
गावत चार धमार राग तहँ, दै दै कल करतारी ।
फागु जू खेलत रसिक साँवरो, बाढ्यो ब्रज भारी ।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, मोहन लाल बिहारी ।।

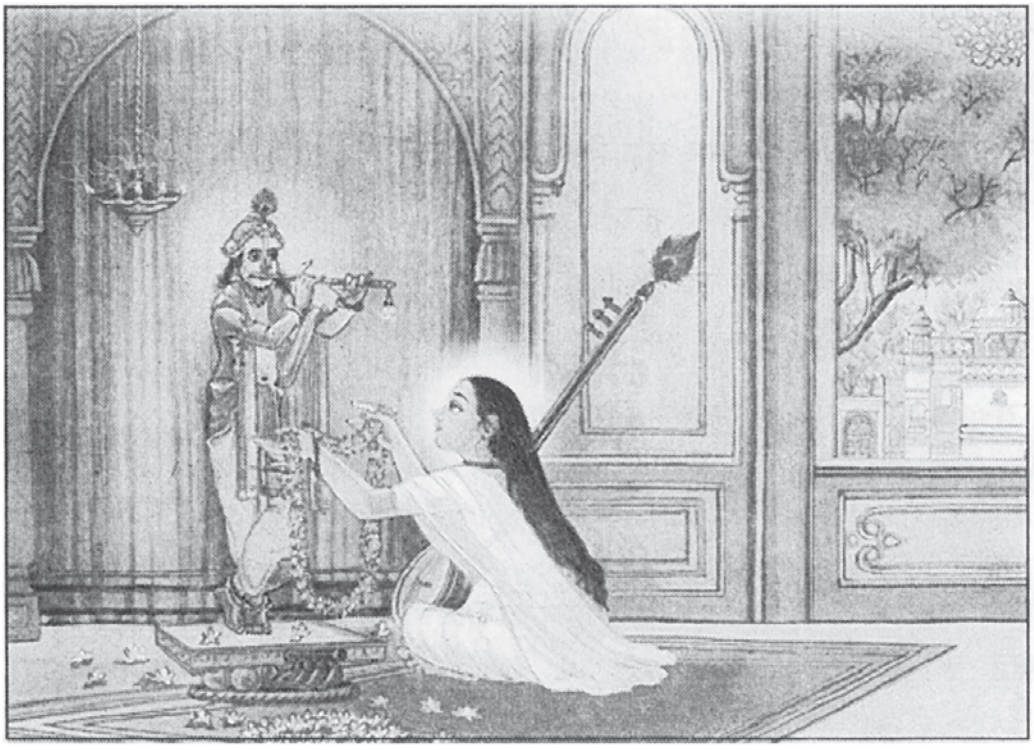

भावबोध :- *मीरा के पद में होली का अनूठा चित्रण हुआ है । श्रीकृष्ण, उनके साथी, ब्रज युवतियाँ सब विभिन्न रंगों की पिचकारियाँ, गुलाल आदि लेकर नाचते-खेलते प्रेम की अमृत धारा बहा देते हैं । सब हर्ष, उल्लास, उमंग से ओत-प्रोत होकर चरम आनंद का अनुभव करते हैं । मीरा ने गिरिधारी मोहन को अपना आराध्य देवता मानते हुए समर्पित होकर प्रेम, एकता, आनंद और अपनत्व का संदेश दिया है । प्रेम दिवानी मीरा ने होली खेलते हुए कृष्ण की लीला का ऐसा जीवंत वर्णन किया है मानो ब्रज की होली उनकी आँखों के सामने घटित हुई हो ।*

- शब्दार्थ -

होरी - होली । चंग - डुगडुगी, डफ की शक्ल का एक बाजा । डफ - लावनी गीत गाने वालों का एक तरह का बाजा । चंदन - सुवासित लेप । मूठ - मुट्ठी । छैल-छबिले - रंगीले, बाँके । नवल - नव युवक । धमार - फाग के गीत । रस्कि - प्रेमी । नागर - चतुर ।

प्रश्न और अभ्यास

1. दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न -

(i) सम्पूर्ण ब्रज-नगरी क्यों रसमय हो गयी है ?

(ii) मीरा के पद के आधार पर ब्रज में खेली गयी होली का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(iii) प्राचीन ब्रज की होली और आज की होली में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए ।

(iv) श्रीकृष्ण को गिरिधर क्यों कहा गया है ? इसके पीछे जो कथा है उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

2. अति संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न -

(i) श्रीकृष्ण किनके साथ ब्रज में होली खेल रहे हैं ?

(ii) मीरा ने श्रीकृष्ण को क्या कहकर पुकारा है ?

(iii) होली खेलते समय कौन-सा गीत गाया जाता है ?

(iv) होली किस महीने में मनायी जाती है ?

(v) 'छैल-छबीले नवल' शब्द किसके लिए कहा गया है ?

(vi) 'स्यामा' शब्द किसके लिए आया है ?

3. **सप्रसंग व्याख्या कीजिए -**

(i) चंदन केसर छिरकत मोहन, अपने हाथ बिहारी ।

(ii) छैल छबीले नवल कान्ह संग, स्यामा प्राण पियारी ।

(iii) गावत चार धमार राग तहँ, दै दै कल करतारी ।

भाषा ज्ञान

4. **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -**

मुरली, संग, नवल, अंग ।

5. (i) श्रीकृष्ण के तीन अन्य नाम लिखिए -

(ii) तीन अन्य वाद्य यंत्रों के नाम लिखिए -

(iii) रागों के तीन नाम लिखिए –

6. **निम्नलिखित शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए -**

सखा, सेवक, धोबी, विद्वान, नागर, स्याम ।

7. **विलोम रूप लिखिए -**

नवीन, नया ।